

राज्य – मध्य प्रदेश
उज्जैन जिले के लिए कृषि आकास्मिक योजना

| 1.0 जिला कृषि परिदृश्य | | | | |
|------------------------|---|---|--|---|
| 1.0 | कृषि जलवायु/पारिस्थितिक क्षेत्र | | | |
| | कृषि पारिस्थितिक उपक्षेत्र (भा.कृ.अनु.परि.) | 5 | | |
| | कृषि जलवायु क्षेत्र (योजना आयोग) | 10 मालवांचल | | |
| | कृषि जलवायु क्षेत्र (राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परियोजना–NARP) | ए.जेड 79: मालवांचल | | |
| | नार्प क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले जिले की सूची | उज्जैन | | |
| | जिला मुख्यालय के भौगोलिक सूचकांक | अक्षांश | देशांतर | ऊंचाई |
| | | 23.43 ⁰ उ–23.36 ⁰ उ | 75 ⁰ पूर्व–75.30 ⁰ पूर्व | 527 मीटर |
| | क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र का नाम एवं पता: | क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, विक्रम नगर रेलवे स्टेशन के पास, उज्जैन | | |
| | जिले में स्थित के.वी.के. का नाम | उज्जैन | | |
| 1.2 | वर्षा | साधारण वर्षा (मि. मी.) | वर्षा के दिनों की संख्या | साधारण वर्षा ऋतु का प्रारम्भ (सप्ताह एवं माह) |
| | दक्षिणी–पश्चिमी मानसून (जून – सितम्बर) | 892 | 40 | जून का दूसरा सप्ताह |
| | उत्तर–पूर्वी मानसून (अक्टूबर–दिसम्बर) | — | — | — |
| | सर्दी (जनवरी–मार्च) | — | — | — |
| | ग्रीष्म (अप्रैल–मई) | — | — | — |
| | वार्षिक | 892 | 70 | — |

| | | | | | | | | | | | |
|-----|---|-------------------|--------------------|------------|------------------------|----------------|------------------|-------------------------------------|--------------------|-------------------|----------------|
| 1.3 | जिले की भूमि उपयोग पद्धति (नवीनतम आँकड़ा) | भौगोलिक क्षेत्रफल | खेती योग्य क्षेत्र | वन क्षेत्र | गैर-कृषि अन्तर्गत भूमि | स्थायी चारागाह | कृषि अयोग्य भूमि | पेड़ों/फसलों के अन्तर्गत भू-क्षेत्र | बंजर एवं पड़त भूमि | वर्तमान पड़त भूमि | अन्य पड़त भूमि |
| | क्षेत्र ('000 हे) | 609.874 | 489.025 | 3.1 | 57.6 | 39.3 | 5.8 | अनुपलब्ध | अनुपलब्ध | 0.8 | 1.9 |

| | | | |
|-----|---|----------------------|---------------------|
| 1.4 | प्रमुख मिट्टियाँ (जैसे लाल, रेतीली, चिकनी गहरी आदि) | क्षेत्रफल ('000 हे.) | कुल भूमि का प्रतिशत |
| | 1. गहरी भूमि | 539.60 | 88.68 |
| | 2. मध्यम गहरी भूमि | 11.40 | 1.90 |
| | 3. हल्की भूमि | 57.20 | 9.42 |

| | | | |
|-----|-----------------------------------|----------------------|---------------|
| 1.5 | कृषि उपयोग भूमि | क्षेत्रफल ('000 हे.) | फसल सघनता (%) |
| | शुद्ध बुवाई क्षेत्र | 489.1 | 163 |
| | एक से अधिक बार बुवाई वाला क्षेत्र | 289.1 | |
| | कुल फसली क्षेत्र | 778.2 | |

| | | | | |
|-----|----------------------|----------------------|-------------------|-------------------------------|
| 1.6 | सिंचाई | क्षेत्रफल ('000 हे.) | | |
| | शुद्ध सिंचाई क्षेत्र | 199.8 | | |
| | कुल सिंचाई क्षेत्र | 199.8 | | |
| | वर्षा आधारित क्षेत्र | 289.3 | | |
| | सिंचाई के साधन | संख्या | क्षेत्र('000 हे.) | कुल सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत |
| | नहर | 34 | 3.57 | 1.78 |

| | | | |
|--|--------------------------|---------------|--|
| तालाब | 43 | 0.92 | 0.50 |
| खुले कुएं | 33390 | 44.26 | 22.15 |
| बोर कुएं | 47753 | 131.27 | 65.70 |
| लिफ्ट सिंचाई पद्धति | | | |
| सूक्ष्म सिंचाई | | | |
| अन्य साधन (बताईये) | | 19.77 | 9.9 |
| कुल सिंचित क्षेत्र | | 199.79 | |
| पम्प सेट | 83597 | | |
| ट्रक्टरों की संख्या | 10926 | | |
| भूमिगत पानी की उपलब्धता एवं उपयोग * (डाटा स्रोत-प्रदेश/केन्द्र भूमिगत जल विभाग/मंडल) | खण्डों /तेहसील की संख्या | (%) क्षेत्रफल | पानी की गुणवत्ता (समस्या बताएं जैसे आर्सेनिक का उच्च स्तर, फ्लोराईड, खारा आदि) |
| बहुतयात शोषित | | 109 | |
| संकटपूर्ण | | | |
| अर्द्ध संकटपूर्ण | | | |
| सुरक्षित | | | |
| बेकार पानी की उपलब्धता एवं उपयोग | | | |
| भूमिगत पानी की गुणवत्ता | अच्छी | | |
| *बहुतयात शोषित : भूमिगत पानी उपयोगिता > 100%, संकटपूर्ण : 90-100%, अर्द्ध संकटपूर्ण : 70-90%, सुरक्षित < 70% | | | |

1.7 मैदानी फसलो एवं उद्यान फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल (वर्तमान आंकड़े) (वर्ष: 2008-09)

| 1.7 | क्र. | प्रमुख बोई मैदानी फसलें | क्षेत्रफल ('000 हे.) | | | | | | | |
|-----------------------------|---------|-------------------------|----------------------|--------------|---------|--------|------------|-----|-----------------------|--------|
| | | | खरीफ | | | रबी | | | ग्रीष्म | महायोग |
| | | | सिंचित | वर्षा आधारित | कुल | सिंचित | वर्षाधारित | कुल | | |
| 1 | सोयाबीन | — | 443.583 | 443.583 | | | | | 443.583 | |
| 2. | मक्का | — | 7.433 | 7.433 | | | | | 7.433 | |
| 3. | ज्वार | — | 3.925 | 3.925 | | | | | 3.925 | |
| 4. | गेंहू | — | | | 98.796 | — | 98.796 | — | 98.796 | |
| 5. | चना | | | | 163.321 | | 163.321 | | 163.321 | |
| 6. | सरसों | | | | | 2.541 | 2.541 | | 2.541 | |
| उद्यान फसलें — फल | | | | | | | | | | |
| | | आम | | | | | | | 0.246 | |
| | | अमरूद | | | | | | | 0.639 | |
| | | संतरा + मोसम्बी | | | | | | | 0.575+0.025 =0.600 | |
| | | नीबू | | | | | | | 0.720 | |
| | | अंगूर | | | | | | | 0.160 | |
| | | अनार | | | | | | | 0.050 | |
| | | शरीफा या सीताफल | | | | | | | 0.1470 | |
| | | पपीता | | | | | | | 0.250 | |
| | | अन्य | | | | | | | 0.160 | |
| उद्यान फसलें — सब्जी | | | | | | | | | | |
| | | टमाटर | | | | | | | 0.114 | |
| | | आलू | | | | | | | 2.190 | |
| | | भिन्डी | | | | | | | 0.268 | |
| | | बैंगन | | | | | | | 0.196 | |

| | | | | | | | | | | |
|--------------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | मटर | | | | | | | | 1.650 |
| | | शकरकंद | | | | | | | | 1.340 |
| | | फूलगोभी | | | | | | | | 0.133 |
| | | करेला | | | | | | | | 0.060 |
| | | सभी लोकी | | | | | | | | 0.192 |
| | | अन्य | | | | | | | | 2.856 |
| उद्यान फसलें – मसाले | | | | | | | | | | |
| | | धनिया | | | | | | | | 3.002 |
| | | मिच | | | | | | | | 4.298 |
| | | लेहसुन | | | | | | | | 3.700 |
| | | प्याज | | | | | | | | 4.000 |
| | | मैथी दाना | | | | | | | | 2.000 |
| | | अन्य | | | | | | | | 1.000 |
| अद्यान फसलें – फूल | | | | | | | | | | |
| | | गेंदा | | | | | | | | 0.212 |
| | | नवरंग | | | | | | | | 0.145 |
| | | बिजली | | | | | | | | 0.035 |
| | | एस्टर | | | | | | | | 0.005 |
| | | गुलदावड़ी | | | | | | | | 0.136 |
| | | अन्य | | | | | | | | 0.052 |
| औषधीय एवं सुगंधित फसलें | | | | | | | | | | |
| | | अश्व गंधा | | | | | | | | 0.122 |
| | | अजवाइन, इस्बगोल, तुलसी, कलमेघ, मूसली, नीबू घास | | | | | | | | 0.010 + 0.010 + 0.076 + 0.005 + |

| | | | | | | | | | | |
|--|--|-------|--|--|--|--|--|--|--|---------|
| | | | | | | | | | | 0.002+ |
| | | | | | | | | | | 0.005 = |
| | | | | | | | | | | 0.792 |
| | | आवंला | | | | | | | | 0.120 |

स्रोत – उद्यान विभाग, उज्जैन संभाग, उज्जैन (म0प्र0)

| 1.8 | पशु | नर ('000) | मादा ('000) | कुल ('000) | |
|------|--|----------------------|-------------------------|----------------|--|
| | गैरवर्णनात्मक मवेशी (स्थानीय कम उपज) | | | 334,536 | |
| | संकर मवेशी | | | 19,621 | |
| | गैरवर्णनात्मक भैंसे (स्थानीय कम उपज) | | | 251,068 | |
| | श्रेणीबद्ध भैंसे | | | 57,722 | |
| | बकरी | | | 196,115 | |
| | भेड़ | | | 5,603 | |
| | अन्य (ऊंट, सुअर, याक आदि) | | | (0.081, 1.437) | |
| | व्यवसायिक गौशाला | | | | |
| 1.9 | पोल्ट्री | प्रक्षेत्र की संख्या | कुल पक्षी संख्या ('000) | | |
| | व्यवसायिक | | 109,830 | | |
| | पिछवाड़े | | | | |
| 1.10 | मछली पालन (डाटा स्रोत – प्रमुख योजना अफसर) | | | | |
| | अ. बंदी | | | | |
| | 1. समुद्री (डाटा स्रोत – मछली पालन) | मछुवारों की संख्या | नावं | जाल | एकत्रित करने की सुविधा (बर्फीले कारखाने) |

| | | | | | | |
|---------|---|---|---|-----------------|------|----------------------------|
| | विभाग) N.A | | | | | आदि) |
| | | | | | | |
| | | 876 | — | 850 | 1750 | — |
| | 2 आंतरिक (डाटा स्रोत – मछली पालन विभाग) | किसानों की संख्या जिनके पास पोखर हैं | | जलाशय की संख्या | | गावों के तालाबों की संख्या |
| | | 40 | | 32 | | 148 |
| ब. पालन | | | | | | |
| | | जल फैलाव क्षेत्र (हे.) | | उपज (टन/हे) | | उत्पादन ('000 टन) |
| | 1. कालापानी (डाटा स्रोत MPEDA / – मछली पालन विभाग) | — | | — | | — |
| | 2. स्वच्छ पानी (डाटा स्रोत मछली पालन विभाग) | 2568 | | 1050 | | 793 |
| | 3. अन्य | | | | | |

1.11 प्रमुख फसलों का उत्पादन एवं उत्पादकता(2008-09)

| 1.11 | फसल का नाम | खरीफ | | रबी | | ग्रीष्म | | कुल | | फसल अवशेष चारे के रूप में ('000 टन) |
|--|-----------------|-------------------|--------------------------|-------------------|--------------------------|-------------------|--------------------------|-------------------|--------------------------|-------------------------------------|
| | | उत्पादन ('000 टन) | उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.) | उत्पादन ('000 टन) | उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.) | उत्पादन ('000 टन) | उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.) | उत्पादन ('000 टन) | उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.) | |
| प्रमुख मैदानी फसलें (कुल एकड़ों के नाप के आधार पर फसलों की पहचान) | | | | | | | | | | |
| | सोयाबीन | 599.42 | 1350 | | | | | 599.42 | 1350 | |
| | मक्का | 17.2 | 2550 | | | | | 17.2 | 2550 | |
| | ज्वार | 4.79 | 1350 | | | | | 4079 | 1350 | |
| | गेंहू | | | 356.12 | 3000 | | | 356.12 | 3000 | |
| | चना | | | 215.30 | 1100 | | | 215.30 | 1100 | |
| | सरसों | | | 2.15 | 1000 | | | 2.15 | 1000 | |
| प्रमुख उद्यान फसलें (कुल एकड़ों के नाप के आधार पर फसलों की पहचान) | | | | | | | | | | |
| | आम | 18.45 | 7500 | | | | | | | |
| | अमरूद | 83.07 | 13000 | | | | | | | |
| | संतरा + मोसम्बी | 75.62 | 27500 | | | | | | | |
| | नीबू | 118.80 | 16500 | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|-----------------------------|--------------------|--------|-------|--|--|--|--|--|--|--|
| | अंगूर | 2.24 | 1400 | | | | | | | |
| | अनार | 5.25 | 10500 | | | | | | | |
| | शरीफा या सीताफल | 14.00 | 10000 | | | | | | | |
| | पपीता | 62.50 | 25000 | | | | | | | |
| | अन्य | 24.00 | 15000 | | | | | | | |
| उद्यान फसलें – सब्जी | | | | | | | | | | |
| | टमाटर | 29.21 | 25400 | | | | | | | |
| | आलू | 459.90 | 21000 | | | | | | | |
| | भिन्डी | 24.17 | 9020 | | | | | | | |
| | बैंगन | 38.22 | 19500 | | | | | | | |
| | मटर | 37.125 | 2250 | | | | | | | |
| | शकरकंद | 298.40 | 22000 | | | | | | | |
| | फूलगोभी | 33.25 | 25000 | | | | | | | |
| | करेला | 6.07 | 10120 | | | | | | | |
| | सभी लोकी | 22.08 | 11500 | | | | | | | |
| | अन्य | 228.48 | 8000 | | | | | | | |
| उद्यान फसलें – मसाले | | | | | | | | | | |
| | धनिया | 43.22 | 1440 | | | | | | | |
| | मिर्च | 223.49 | 5200 | | | | | | | |
| | लेहसुन | 37.00 | 1000 | | | | | | | |
| | प्याज | 780.00 | 19500 | | | | | | | |
| | मैथी दाना | 780.00 | 3900 | | | | | | | |
| | अन्य | 30.00 | 3000 | | | | | | | |
| उद्यान फसलें – फूल | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|--------------------------------|--|---|---|--|--|--|--|--|--|--|
| | गेंदा | 11.02 | 5200 | | | | | | | |
| | नवरंग | 6.52 | 4500 | | | | | | | |
| | बिजली | 1.41 | 4040 | | | | | | | |
| | एस्टर | 0.375 | 7500 | | | | | | | |
| | गुलदावड़ी | 14.96 | 11000 | | | | | | | |
| | अन्य | 5.46 | 10500 | | | | | | | |
| औषधीय एवं सुगंधित फसलें | | | | | | | | | | |
| | अश्व गंधा | 1.70 | 1400 | | | | | | | |
| | अजवाइन, इस्बगोल, तुलसी, कलमेघ, मूसली, आवंला नीबू घास | 0.10 +0.15 + 1.14 +0. 065 +0.48 + 9.19 + 0.15 =10. 843 | 1000+1500+1500+1300+2400 +7660+3000 =18360 | | | | | | | |
| | वृक्षारोपण फसल | | | | | | | | | |
| | जैसे औद्योगिक गूदेदार फसल आदि | | | | | | | | | |
| | चारा फसल | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|--|------------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| | कुल चारा फसल क्षेत्र | | | | | | | | | |
| | चारा भूमि | | | | | | | | | |
| | रेशम कीड़ा पालन आदि | | | | | | | | | |
| | अन्य | | | | | | | | | |

स्रोत – उद्यान विभाग, सम्भाग उज्जैन, जिला उज्जैन (म.प्र.)

| | | | | | |
|------|---|-------------------|--------------------|---|------------------------|
| 1.12 | 5 प्रमुख फसलों हेतु बुवाई खिड़की (साधारण बुवाई अवधि प्रारम्भ एवं समाप्ति समय) | फसल 1 : सोयाबीन | फसल 2: मक्का | फसल 3: चना | फसल 4: गेहूं |
| | खरीफ-वर्षाधारित | 20 जून से 7 जुलाई | 20 जून से 15 जुलाई | | |
| | खरीफ-सिंचित | | | | |
| | रबी- वर्षाधारित | | | 15 अक्टूबर से 7 नवम्बर | 20 अक्टूबर से 5 नवम्बर |
| | रबी- सिंचित | | | नवम्बर का प्रथम सप्ताह से 15 दिसम्बर | नवम्बर से 15 दिसम्बर |

| | | | | |
|------|---|--------|--------|----------|
| 1.13 | जिले किन प्रमुख आकास्मिकता का इच्छुक है (टिक लगाएं) | नियमित | अवसरीय | कोई नहीं |
| | सूखा | ✓ | | |
| | बाढ़ | | | ✓ |
| | चक्रवात | | | ✓ |

| | | | | |
|--|--|---|---|---|
| | ओला वृष्टि | | ✓ | |
| | ग्रीष्म लहर | | ✓ | |
| | शीत लहर | | ✓ | |
| | पाला | | ✓ | |
| | समूद्री पानी की घुसपेठ | | | ✓ |
| | कीट एवं बीमारी का प्रकोप (बताए) सोयाबीन – गर्डल बीटल, सेमीलूपर | ✓ | | |
| | अन्य (बताए) चना – चना पाड बोरर | ✓ | | |

| | | | |
|------|-----------------------------|--|-------------|
| 1.14 | जिले का डिजिटल मेप सम्मिलित | राज्य में जिले का स्थानीय मानचित्र– अनुबंध 1 | सलंगन : हां |
| | | मध्य वार्षिक वर्षा : अनुबंध 2 | सलंगन : हां |
| | | मृदा मानचित्र : अनुबंध 3 | सलंगन : हां |

अनुबंध 1

राज्य में जिले का स्थानीय मानचित्र

अनुबंध 2

मध्य वार्षिक वर्षा

अनुबंध 3

मृदा मानचित्र

(स्रोत : एन.बी.एस.एस. एण्ड एल.यू.पी., अमरावती रोड, नागपुर)

2.0 मौसम संबंधी आकास्मिकता हेतु रणनीति

2.1 सूखा

2.1.1 वर्षा आधारित अवस्था

| स्थिति | | | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|---|---------------------------------------|---|--|--|---|
| शीघ्र मौसमी सूखा (विलम्ब से मानसून आना) | प्रमुख खेती की अवस्था ^a | साधारण फसल / फसल प्रणाली ^b | फसल बदलाव / फसल प्रणाली प्रजाति के साथ ^c | शस्य उपाय ^d | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| दो सप्ताह का विलम्ब (जून का चौथा सप्ताह) | गहरी काली मिट्टी | सोयाबीन-गेहूँ | सोयाबीन / उड़द / मूंग / तुवर / मक्का / गेहूँ | 20% अधिक बीज दर एवं 20 % कम उर्वरक का प्रयोग | अच्छी बीज गुणवत्ता हेतु राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय बीज निगम एवं किसान संगठनों को जोड़ना |
| | | सोयाबीन-चना | सोयाबीन / उड़द / मूंग / तुवर / मक्का / चना | 20% अधिक बीज दर एवं 20 % कम उर्वरक का प्रयोग | |
| | उथली / सतही मिट्टी | सोयाबीन-चना | उड़द / मूंग / मक्का / हा य. ज्वार / चना | नमी संरक्षण प्रयोग, जुताई संरक्षण, पूर्व भीगी एवं गहरी बीज, पत्तों पर पोषक तत्वों का प्रयोग | |

| स्थिति | | | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|--|---------------------------------------|---------------------|---|------------------------|--------------------------------------|
| शीघ्र मौसमी सूखा (विलम्ब से मानसून) | प्रमुख खेती की अवस्था ^a | साधारण फसल / फसल | फसल बदलाव / फसल प्रणाली ^c | शस्य उपाय ^d | लागू करने पर टिप्पणी ^e |

| आना) | | प्रणाली ^b | | | |
|---------------------------------------|---------------------|----------------------|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| चार सप्ताह का विलम्ब (महिना बताएं) | गहरी काली मिट्टी | सोयाबीन-गेहूं | शीघ्र पकने वाली सोयाबीन प्रजाति जैसे जे.एस. 93-05, जे.एस. 95-60 के बाद गेहूं | 20% अधिक बीज दर का प्रयोग | अच्छी बीज गुणवत्ता हेतु राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय बीज निगम एवं किसान संगठनों को जोड़ना |
| | | सोयाबीन-चना | सोयाबीन/उड़द/मूंग/ तुवर/मक्का/चना | 20% अधिक बीज दर एवं 20% कम उर्वरक का प्रयोग | |
| | उथली/सतही मिट्टी | सोयाबीन-चना | चना प्रजाति जैसे जे.जी. -74, यू-21 के पीछे उड़द जे.यू. - 86 | 20% अधिक बीज दर एवं 20% कम उर्वरक का प्रयोग | |

| स्थिति | | | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|---|---------------------------------------|--|--|---|---|
| शीघ्र मौसमी सूखा (विलम्ब से मानसून आना) | प्रमुख खेती की अवस्था ^a | साधारण फसल/ फसल प्रणाली ^b | फसल बदलाव/ फसल प्रणाली ^c | शस्य उपाय ^d | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| छः सप्ताह का विलम्ब (महिना बताएं) | गहरी काली मिट्टी | सोयाबीन-गेहूं | सोयाबीन-गेहूं | शीघ्र पकने वाली सोयाबीन प्रजाति जैसे जे.एस. 93-05, जे.एस. 95-60 के बाद गेहूं | अच्छी बीज गुणवत्ता हेतु राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय बीज निगम एवं किसान संगठनों को जोड़ना |
| | | सोयाबीन-चना | उड़द/मूंग/तिल के बाद कुसुम उगाएं | 20% अधिक बीज दर प्रयोग | |

| | | | | | |
|--|--------------------|-------------|---------------------------------|--|--|
| | उथली / सतही मिट्टी | सोयाबीन-चना | अर्न्तवतीय उडद-तिल के बाद कुसुम | 20% अधिक बीज दर एवं 20% कम उर्वरक का प्रयोग साथ में सुझाई नमी संरक्षण प्रयोग, जुताई संरक्षण, पूर्व भीगी एवं गहरी बीज | |
|--|--------------------|-------------|---------------------------------|--|--|

| स्थिति | प्रमुख खेती की अवस्था ^a | साधारण फसल / फसल प्रणाली ^b | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|---|------------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------------|---|--|
| | | | फसल बदलाव / फसल प्रणाली ^c | शस्य उपाय ^d | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| शीघ्र मौसमी सूखा (विलम्ब से मानसून आना) | | | | | |
| आठ सप्ताह का विलम्ब (महिना बताएं) | गहरी काली मिट्टी | सोयाबीन-गेहूं | तिल-तोरई | नमी संरक्षण प्रयोग, जुताई संरक्षण, पूर्व भीगी एवं गहरी बीज, पत्तों पर पोषक तत्वों का प्रयोग | अच्छी बीज गुणवत्ता हेतु राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय बीज निगम एवं किसान संगठनों को जोड़ना |
| | उथली / सतही मिट्टी | सोयाबीन-चना | साथी चना | | |

*साधारण मानसून (2.1.1)की तुलना विलम्ब से मानसून आने (2,4,6 एवं 8 सप्ताह) से शीघ्र मौसमी सूखे की विशेष परिस्थिति के लिए सांचा(मेट्रीक्स)

| | |
|---|---|
| साधारण वर्षा की शुरुआत (महिना एवं सप्ताह) | विलम्ब से मानसून आने से शीघ्र मौसमी सूखे की विशेष परिस्थिति के लिए महिना एवं सप्ताह |
|---|---|

| | वर्षा की शुरुआत में विलम्ब से | | | |
|--------------------|-------------------------------|----------------|----------------|------------------|
| | 2 सप्ताह | 4 सप्ताह | 6 सप्ताह | 8 सप्ताह |
| जून पहला सप्ताह | जून 3 सप्ताह | जुलाई 1 सप्ताह | जुलाई 3 सप्ताह | अगस्त 1 सप्ताह |
| जून दूसरा सप्ताह | जून 4 सप्ताह | जुलाई 2 सप्ताह | जुलाई 4 सप्ताह | अगस्त 2 सप्ताह |
| जून तीसरा सप्ताह | जुलाई 1 सप्ताह | जुलाई 3 सप्ताह | अगस्त 1 सप्ताह | अगस्त 3 सप्ताह |
| जून चौथा सप्ताह | जुलाई 2 सप्ताह | जुलाई 4 सप्ताह | अगस्त 2 सप्ताह | अगस्त 4 सप्ताह |
| जुलाई पहला सप्ताह | जुलाई 3 सप्ताह | अगस्त 1 सप्ताह | अगस्त 3 सप्ताह | सितम्बर 1 सप्ताह |
| जुलाई दूसरा सप्ताह | जुलाई 4 सप्ताह | अगस्त 2 सप्ताह | अगस्त 4 सप्ताह | सितम्बर 2 सप्ताह |

| स्थिति | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | | | |
|---|--------------------------------------|---|--|---|---|
| साधारण वर्षा एवं बुवाई के बाद 15-20 दिन सूखा जिससे खराब अंकुरण/खड़ी फसल आदि | प्रमुख खेती की अवस्था ^a | साधारण फसल/ फसल प्रणाली ^b | फसल प्रबंधन ^c | मृदा पोषण एवं नमी संरक्षण उपाय ^d | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| वनस्पतिक अवस्था पर | गहरी काली मिट्टी उथली/सतही मिट्टी | सोयाबीन-गेहूं सोयाबीन-चना सोयाबीन-चना | बेहतर प्रजातियों से अन्तर भराव खरपतवार नियंत्रण एवं नमी संरक्षण हेतु कुल्पा का प्रयोग | | अच्छी बीज गुणवत्ता हेतु राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय बीज निगम एवं किसान संगठनों को जोड़ना खेत पावड़ी तकनीक हेतु वाटरशेड एवं MGNREGA को जोड़ना |

| स्थिति | प्रमुख खेती की अवस्था ^a | साधारण फसल/ फसल प्रणाली ^b | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|---|------------------------------------|--------------------------------------|--|---|---|
| | | | फसल प्रबंधन ^c | मृदा पोषण एवं नमी संरक्षण उपाय ^d | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| वर्षा मौसम के बीच में सूखा (लम्बे समयतक सूखे दिन)लगातार 2 हफ्ते तक वर्षा रहित(>2.5 मि. मि. अवधि) | | | | | |
| वनस्पतिक अवस्था पर | गहरी काली मिट्टी | सोयाबीन-गेहूं | पत्तो पर 2 प्रतिशत यूरिया का प्रयोग या MOP सूखे दिनों में । खरपतवार नियंत्रण हेतु कुल्पा का प्रयोग | | कें.वी.के. आत्मा लिंक के अन्तर्गत विस्तार अधिकारियों द्वारा किसानों को उचित प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन अच्छी बीज गुणवत्ता हेतु राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय बीज निगम एवं किसान संगठनों को जोड़ना खेत पावड़ी तकनीक हेतु वाटरशेड एवं MGNREGA को जोड़ना |
| | | सोयाबीन-चना | पत्तो पर एंटी ट्रांसपेरेन्ट एवं बढ़त नियामक का प्रयोग | | |
| | उथली / सतही मिट्टी | सोयाबीन-चना | पत्तो पर एंटी ट्रांसपेरेन्ट एवं बढ़त नियामक का प्रयोग | | |
| | उथली / सतही मिट्टी | सोयाबीन-चना | पत्तो पर सायकोसेल या 2 प्रतिशत यूरिया का प्रयोग या MOP सूखे दिनों में । खरपतवार नियंत्रण | | |

| स्थिति | प्रमुख खेती की अवस्था ^a | साधारण फसल/ फसल प्रणाली ^b | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|--|------------------------------------|--------------------------------------|---|---|--|
| | | | फसल प्रबंधन ^c | मृदा पोषण एवं नमी संरक्षण उपाय ^d | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| वर्षा मौसम के बीच में सूखा (लम्बे समयतक सूखे दिन) | | | | | |
| फूल आने/फल आने की अवस्था पर | गहरी काली मिट्टी | सोयाबीन-गेहूं सोयाबीन-चना | पत्तो पर सायकोसेल या 2 प्रतिशत यूरिया का प्रयोग या MOP सूखे दिनों में । खरपतवार नियंत्रण | | के.वी.के. आत्मा लिंक के अन्तर्गत विस्तार अधिकारियों द्वारा किसानों को उचित प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन अच्छी बीज गुणवत्ता हेतु राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय बीज निगम एवं किसान संगठनों को जोड़ना खेत पावड़ी तकनीक हेतु वाटरशेड एवं MGNREGA को जोड़ना |
| | उथली / सतही मिट्टी | सोयाबीन-चना | पत्तो पर सायकोसेल या 2 प्रतिशत यूरिया का प्रयोग या MOP सूखे दिनों में । खरपतवार नियंत्रण | | |

| स्थिति | प्रमुख खेती की अवस्था ^a | साधारण फसल/ फसल प्रणाली ^b | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|---|------------------------------------|--------------------------------------|---|--|--|
| | | | फसल प्रबंधन ^c | मृदा पोषण एवं नमी संरक्षण उपाय ^d | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| अन्तिम दिनों में सूखा (मानसून जल्दी खत्म होना) | | | | | |
| फूल आने/फल आने की अवस्था पर | गहरी काली मिट्टी | सोयाबीन-गेहूं सोयाबीन-चना | पत्तो पर सायकोसेल या 2 प्रतिशत यूरिया का प्रयोग जीवन बचाव सिंचाई | अगर हानि ज्यादा हो तो चना/सरसों के लिये भूमि तैयारी की योजना बनाना चना/सरसों हेतु सूखी बोवनी एवं नमी संरक्षण जुताई का उपयोग | कै.वी.के. आत्मा लिंक के अन्तर्गत विस्तार अधिकारियों द्वारा किसानों को उचित प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन अच्छी बीज गुणवत्ता हेतु राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय बीज निगम एवं किसान संगठनों को जोड़ना खेत पावड़ी तकनीक हेतु वाटरशेड एवं MGNREGA को जोड़ना |
| | | सोयाबीन-चना | | | |

2.1.2 सूखा – सिंचित अवस्था : N.A

| स्थिति | प्रमुख खेती की अवस्था ^f | साधारण फसल/ फसल प्रणाली ^g | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|--|------------------------------------|--------------------------------------|--|-----------|-----------------------------------|
| | | | फसल में बदलाव/फसल प्रणाली ^h | शस्य उपाय | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कम वर्षा के कारण नहरों से जल देर से निकलना | | N.A | | | |
| | | | | | |

| स्थिति | प्रमुख खेती की अवस्था ^f | साधारण फसल/ फसल प्रणाली ^g | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|---|------------------------------------|--------------------------------------|--|-----------|-----------------------------------|
| | | | फसल में बदलाव/फसल प्रणाली ^h | शस्य उपाय | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| देर से वर्षा के कारण नहरों से जल न निकलना | | N.A | | | |
| | | | | | |

| स्थिति | प्रमुख खेती की अवस्था ^f | साधारण फसल/ फसल प्रणाली ^g | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | |
|--------|------------------------------------|--------------------------------------|--|-----------|-----------------------------------|
| | | | फसल में बदलाव/फसल प्रणाली ^h | शस्य उपाय | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|------------------|------------|---|--|---|
| देर से /अप्रयाप्त वर्षा के कारण तालाबों के बहाव में कमी | गहरी काली मिट्टी | चना /सरसों | चना /सरसों का कुसुम के साथ अर्न्तवर्तीय अन्य अर्न्तवर्तीय चना-अलसी चना-कुसुम सरसो-चना | जल्दी पकने वाली प्रजातियां कूड एवं मेड / चौड़ी मेड (BBF)पद्धति में बुवाई | के.वी.के एवं आत्मा द्वारा किसानों को तकनीकियों के प्रति जागरूकता लाना |

| स्थिति | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | | | |
|--|------------------------------------|---------------------------------------|---|---|---|
| | प्रमुख खेती की अवस्था ^f | साधारण फसल / फसल प्रणाली ^g | फसल में बदलाव / फसल प्रणाली ^h | शस्य उपाय | लागू करने पर टिप्पणी ^e |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| अप्रयाप्त वर्षा के कारण भूमिगत जल का पूर्णभरण न होना | गहरी काली मिट्टी | चना /सरसों | देसी चना प्रजातियों का उपयोग जैसे जे. जी-11, जे.जी.74 एवं यू-21 | कूड एवं मेड पर बुवाई , नाजुक फसल बढ़ाव अवस्था पर वेकल्पिक मेडों पर सिंचाई | के.वी.के एवं आत्मा द्वारा किसानों को तकनीकियों के प्रति जागरूकता लाना |
| कोई और स्थिति | NA | | | | |

2.2. सामान्य वर्षा (असमय, अ-मौसमीय आदि)(दोनों वर्षा आधारित एवं सिंचित अवस्था हेतु)

| स्थिति | सुझाएं आकास्मिक उपाय | | | |
|---|---|---|---|---|
| | वनस्पतिक अवस्था ^k | फूल आने की अवस्था ^l | फसल पकने की अवस्था ^m | कटाई उपरान्त उपाय ⁿ |
| जल भरण कम समय में लगातार उच्च वर्षा होने से | 1 | 2 | 3 | 4 |
| फसल 1 (बताए) सोयाबीन | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाना ● नत्रजन का 10–20 कि.ग्रा./हे का छिड़काव सही मृदा नमी की अवस्था में | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाना ● अन्तर-बुवाई से मृदा को हल्का करना एवं हवादार करना ● पत्तो पर 2% यूरिया/डी.ए.पी. पुनः ताकत प्राप्त करने हेतु छिड़काव | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाना ● धूप वाले दिनों में फसल कटाई ● उत्पाद को सुरक्षित जगह पहुंचाना | <p>पेक करने एवं बाजार ले जाने से पूर्व सुखाकर दानों में इष्टम नमी(10–12%) बनाए रखना</p> |
| फसल 2 (बताए) मक्का | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाना ● नत्रजन 10 कि.ग्रा एवं पोटाष 20 कि.ग्रा./हे का उपयोग अतिरिक्त पानी बहाने के बाद ● इष्टम मृदा नमी पर अन्तर-बुवाई से मृदा को हल्का करना, हवादार करना एवं खरपतवार नियंत्रण ● फसल पर गिरने से | <ul style="list-style-type: none"> ● जितने जल्दी हो सके अतिरिक्त पानी बहाए ● अतिरिक्त पानी निकासी के बाद नत्रजन 20 कि.ग्रा एवं पोटाष 10 कि.ग्रा./हे की दर से उपयोग करें ● पोटेसियम नाईट्रेट 1 %या घुलनशील उर्वरक जैसे 19–19–19, 20–20–20, 21–21–21 | <ul style="list-style-type: none"> ● जितने जल्दी हो सके अतिरिक्त पानी बहाए ● फसल को पूर्ण रूप से सुखाकर कटाई करें | <p>दानो को इष्टम नमी की स्थिति में सुखाकर भण्डारित करें</p> |

| | | | | |
|-------------|---|--|---|--|
| | <p>बचाने हेतु मिट्टी चढ़ाए</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पोटेशियम नाईट्रेट 1 % या घुलनशील उर्वरक जैसे 19-19-19, 20-20-20, 21-21-21 ● 1 % पोषण हेतु छिड़काव करें । ● गुलाबी तना छेदक, पत्ती झुलसा एवं टर्सीकम पत्ती झुलसा हेतु समय पर रोकथाम उपाय करें | <p>1 % पोषण हेतु छिड़काव करें ।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पत्ती झुलसा एवं पुष्पन उपरान्त तना गलन हेतु समय पर रोकथाम उपाय करें | | |
| फसल 3 चना | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाए ● वर्षा रूकने पर पत्तो पर 2 %यूरिया का छिड़काव | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाए ● वर्षा रूकने पर पत्तो पर 2 %यूरिया का छिड़काव | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाए ● धूप वाले दिनों में उपज की कटाई करें | पेकिंग करने एवं बाजार ले जाने से पहले दानो को इष्टम नमी की स्थिति में सूखाएं |
| फसल 4 गेहूं | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी हेतु अतिरिक्त पानी बहाए ● इष्टम मृदा नमी पर अर्न्तवर्तीय फसल से मृदा को हल्का करना, हवादार करना एवं खरपतवार नियंत्रण ● सही बढ़त हेतु 20-30 कि.ग्रा. नत्रजन इष्टम नमी पर चढ़ाए | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी हेतु अतिरिक्त पानी बहाए ● सही बढ़त हेतु 20-30 कि.ग्रा. नत्रजन इष्टम नमी पर चढ़ाए ● आवश्यकतानुसार पौध संरक्षण अपनाए | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी हेतु अतिरिक्त पानी बहाए ● कटाई से पहले फसल को पूर्ण रूप से सूखाएं ● धूप वाले दिनों में उपज की कटाई करें | उपज को अच्छी तरह 10-12 % तक नमी सूखाकर भण्डारित करें |

| | | | | |
|--------------------|---|---|--|--|
| फसल 5 | | | | |
| उद्यान | | | | |
| फसल 1 (बताए) फल | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें ● खूंटे लगाएं ● बेहतर उपज हेतु इष्टम नमी अवस्था में पोषक तत्वों का उपयोग | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें ● खूंटे लगाएं ● बेहतर उपज हेतु इष्टम नमी अवस्था में पोषक तत्वों का उपयोग | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें ● वर्षा उपरान्त कवक रोग से बचाव हेतु कवकनाशी जैसे बावस्टीन@1ग्रा./लीटर पानी का छिड़काव ● आवश्यकता होने पर खूंटे लगाए ● धूप वाले दिनों में उपज की कटाई करें ● संभव हो तो गिरे हुए फलों को इकट्ठा श्रेणीबद्ध एवं विपणन करें | <ul style="list-style-type: none"> ● फलों को विपणन से पूर्व हवादार अस्थाई ढांचें में सुरक्षित रखें ● फलों को जल्द से जल्द विपणन करें । |
| फसल 1 सब्जीयें | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें | <ul style="list-style-type: none"> ● |

| | | | | |
|--|--|--|---|---|
| | | <ul style="list-style-type: none"> ● फल छेदक के नियंत्रण हेतु साईपरमिथिन @0.1% का छिड़काव | | |
| कम समय में भारी वर्षा तेज हवाओं के साथ | | | | |
| फसल 1 सोयाबीन | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाएं ● मृदा की इष्टम नमी पर नत्रजन 10–20 कि.ग्रा. /हे ऊपर से चढ़ाएं | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाएं ● अर्न्तवर्तीय फसल लगाने से मृदा को हल्का करें एवं हवादार बनाएं | <ul style="list-style-type: none"> ● अतिरिक्त पानी बहाएं ● साफ धूप वाले दिनों में कटाई करें ● उपज को सुरक्षित जगह ले जाए | <ul style="list-style-type: none"> ● दानों में 10–12 % तक इष्टम नमी बनाए रखने हेतु अच्छी तरह सूखाए पैकिंग एवं विपणन से पहले |
| फसल 2 मक्का | <ul style="list-style-type: none"> ● जल्द से जल्द अतिरिक्त पानी बहाएं ● जल निकासी के बाद 20 किग्रा. नत्रजन + 10 कि. ग्रा. पोटाष प्रति हैं. का उपयोग ● इष्टम मृदा नमी पर अर्न्तवर्तीय फसल से मृदा को हल्का करना, हवादार करना एवं खरपतवार नियंत्रण ● पोटेशियम नाईट्रेट 1 % या पानी में घुलनशील | <ul style="list-style-type: none"> ● जल्द से जल्द अतिरिक्त पानी बहाएं ● जल निकासी के बाद 20 किग्रा. नत्रजन + 10 कि. ग्रा. पोटाष प्रति हैं. का उपयोग ● पोटेशियम नाईट्रेट 1 %या पानी में घुलनशील उर्वरक जैसे 19–19–19 20–20–20, 21–21–21 1 % पोषण हेतु छिड़काव करें । | <ul style="list-style-type: none"> ● जल्द से जल्द अतिरिक्त पानी बहाएं ● फसल को पूर्ण रूप से सूखाकर कटाई करें | <ul style="list-style-type: none"> ● पूर्ण रूप से सूखने के उपरान्त कटाई करें ● दानो को इष्टम नमी की स्थिति में सूखाकर भण्डारित करें |

| | | | | |
|-------------|--|---|---|--|
| | <p>उर्वरक जैसे 19-19-19 20-20-20, 21-21-21 1 % पोषण हेतु छिड़काव करें ।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● गुलाबी तना छेदक, पत्ती झुलसा एवं टर्सीकम पत्ती झुलसा हेतु समय पर रोकथाम के उपाय करें | <ul style="list-style-type: none"> ● पत्ती झुलसा एवं पुष्पन उपरान्त तना गलन हेतु समय पर रोकथाम उपाय करें | | |
| फसल 3 चना | <ul style="list-style-type: none"> ● सही निकासी से अतिरिक्त पानी बहाए ● वर्षा रूकने पर पत्तो पर 2 %यूरिया का छिड़काव | <ul style="list-style-type: none"> ● सही निकासी से अतिरिक्त पानी बहाए ● वर्षा रूकने पर पत्तो पर 2 %यूरिया का छिड़काव ● फूल आने को बढ़ावा देने हेतु हार्मोनल छिड़काव (GA3) ins करें | <ul style="list-style-type: none"> ● सही निकासी से अतिरिक्त पानी बहाए ● धूप वाले दिनों में उपज की कटाई करें | पैकिंग करने एवं बाजार ले जाने से पहले दानों को इष्टम नमी की स्थिति में सूखाएं |
| फसल 4 गेहूं | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी हेतु अतिरिक्त पानी बहाए ● इष्टम मृदा नमी पर अर्न्तवर्तीय फसल से मृदा को हल्का करना, हवादार करना एवं खरपतवार नियंत्रण ● सही बढ़त हेतु 20-30 कि.ग्रा. नत्रजन इष्टम | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी हेतु अतिरिक्त पानी बहाए ● सही बढ़त हेतु 20-30 कि.ग्रा. नत्रजन इष्टम नमी पर चढ़ाए ● आवश्यकतानुसार पौध संरक्षण अपनाए | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी हेतु अतिरिक्त पानी बहाए ● कटाई से पहले फसल को पूर्ण रूप से सूखाएं ● धूप वाले दिनों में उपज की कटाई करें | <ul style="list-style-type: none"> ● उपज को अच्छी तरह 10-12 % तक नमी सूखाकर भण्डारित करें |

| | नमी पर चढ़ाए | | | |
|--------------------|---|---|---|--|
| उद्यान | | | | |
| फसल 1 (बताए) फल | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें ● खूंटे लगाएं ● बेहतर उपज हेतु इष्टम नमी अवस्था में पोषक तत्वों का उपयोग | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें ● खूंटे लगाएं ● बेहतर उपज हेतु इष्टम नमी अवस्था में पोषक तत्वों का उपयोग | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें ● वर्षा उपरान्त कवक रोग से बचाव हेतु कवकनाशी जैसे बावस्टीन@1ग्रा. /लीटर पानी का छिड़काव ● आवश्यकता होने पर खूंटे लगाए ● धूप वाले दिनों में उपज की कटाई करें ● संभव हो तो गिरे हुए फलों को इकट्ठा श्रेणीबद्ध एवं विपणन करें | <ul style="list-style-type: none"> ● फलों को विपणन से पूर्व हवादार अस्थाई ढांचें में सुरक्षित रखें ● फलों को जल्द से जल्द विपणन करें । |
| फसल 1 सब्जीयें | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें ● फल छेदक के नियंत्रण | <ul style="list-style-type: none"> ● सही जल निकासी एवं जड़ क्षेत्र से अतिरिक्त पानी निकालें ● | <ul style="list-style-type: none"> ● |

| | | | | |
|---|--|--|---|--|
| | | हेतु साईपरमिथिन@0.1% का छिड़काव | | |
| अमौसमीय वर्षा से कीड़े एवं बीमारी का प्रकोप | | | | |
| फसल 1 सोयाबीन | <ul style="list-style-type: none"> ● गर्डल बीटल एवं हरे सेमीलूपर को कम करने हेतु जल्दी रोपण करें ● सेमीलूपर से बचाव हेतु पत्तो पर 5 % NSKE या डाई मेथोएट 30 इ.सी. 1 मिली/ली. का छिड़काव करें | <ul style="list-style-type: none"> ● स्पोडाप्टेरा के वयस्क पंतगे पर फेरोमोन ट्रेप (10 जाल/हे) नजर रखें ● स्पोडाप्टेरा नियंत्रण हेतु क्यूनालफास 25 ईसी 2 मिली/ली या इमेमेस्टीन बेन्जोएट 5 एसजी 4 ग्रा/10ली. | <ul style="list-style-type: none"> ● कवक से बचाव हेतु कीटनाशक एवं कवकनाशक का छिड़काव करें | |
| फसल 3 मक्का | <ul style="list-style-type: none"> ● पत्ती टिड्डा के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोपरिड 0.3 मि.ली./ली या डाई मेथोएट 1.0 मि.ली./ली. का छिड़काव करें | <ul style="list-style-type: none"> ● टर्सीकम पत्ता झुल्सा नियंत्रण हेतु पत्तो पर 8-10 दिन के अन्तराल पर मेन्कोजेब @ 0.25-0.4 % का उपयोग करें | <ul style="list-style-type: none"> ● तना गलन जो फूल आने के बाद होता है के नियंत्रण हेतु ट्रायकोडर्मा FYM के साथ मिलाकर 10ग्रा/कि.ग्रा. 10 दिनों पूर्व उपयोग करें | |
| फसल चना | <ul style="list-style-type: none"> ● कीट प्रकोप से बचाव हेतु ट्रायजोफॉस 40 % ईसी. @1-1.5 ली./हे. का | | | |

| | | | | |
|-----------|--|---|---|--|
| | <p>छिड़काव करें</p> <ul style="list-style-type: none"> ● फली छेदक के जैविक नियंत्रण हेतु 'T' आकार के खूंटे देर से बाने वाली चने के खेत में तथा क्यूनालफॉस 25 ईसी या मिथाईल पेराथियान 50 ईसी@600 मि.ली 500 ली पानी में घुला हुआ रसायनिक नियंत्रण हेतु उपयोग करें | | | |
| फसल गेंहू | <ul style="list-style-type: none"> ● गेंहू के जंक से बचाव हेतु 0.2 % मेन्कोजेब 76% डब्ल्यू.पी. का छिड़काव करें | <ul style="list-style-type: none"> ● गेंहू को गलन से बचाव हेतु 0.2 % मेन्कोजेब 76% डब्ल्यू.पी. का छिड़काव करें | तना गलन जो फूल आने के बाद होता है के नियंत्रण हेतु ट्रायकोडर्मा FYM के साथ मिलाकर 10ग्रा/कि.ग्रा. 10 दिनों पूर्व उपयोग करें | |

2.3 बाढ़ : NA

| स्थिति | सुझाएं आकास्मिक उपाय ⁰ | | | |
|-----------------------------------|-----------------------------------|-----------------|---------------|---------|
| | नर्सरी/अंकुरण अवस्था | वनस्पतिक अवस्था | प्रजनन अवस्था | कटाई पर |
| उद्यान | NA | | | |
| लगातार 2 दिनों से ज्यादा डूबा हुआ | NA | | | |

| | | | | |
|-----------------------|----|--|--|--|
| उद्यान | NA | | | |
| समुद्री पानी का घुसना | NA | | | |

2.4 अतिवादी घटनाएं : ग्रीष्म लहर/शीत लहर/पाला/ओलावृष्टि/चक्रवात

| अतिवादी घटना का प्रकार | सुझाए आकास्मिक उपाएं ¹ | | | |
|--------------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|--|-------------------------------|
| | अंकुरण/नर्सरी अवस्था | वनस्पतिक अवस्था | प्रजनन अवस्था | कटाई पर |
| ग्रीष्म लहर ^P | | | | |
| फसल 1 सोयाबीन | ग्रीष्म हवा चलने पर रक्षात्मक सिंचाई | ग्रीष्म हवा चलने पर रक्षात्मक सिंचाई | ग्रीष्म हवा चलने पर रक्षात्मक सिंचाई | जल्दी पकने वाली प्रजातियां |
| फसल 2 मक्का | ग्रीष्म हवा चलने पर रक्षात्मक सिंचाई | ग्रीष्म हवा चलने पर रक्षात्मक सिंचाई | ग्रीष्म हवा चलने पर रक्षात्मक सिंचाई | जल्दी पकने वाली प्रजातियां |
| फसल 3 चना | ग्रीष्म हवा चलने पर रक्षात्मक सिंचाई | — | रक्षात्मक सिंचाई एवं पाले से बचने हेतु धुवा करना | अन्तीम गरमी सहनशील प्रजातियां |
| फसल 4 गेहूँ | ग्रीष्म हवा चलने पर रक्षात्मक सिंचाई | — | रक्षात्मक सिंचाई एवं पाले से बचने हेतु धुवा करना | अन्तीम गरमी सहनशील प्रजातियां |
| उद्यान | NA | | | |

2.5 पशु पालन, मुर्गी पालन एवं मछली पालन हेतु आकास्मिक रणनियामां

2.5.1 पशु पालन

| | सुझाए आकास्मिक उपाएं | | |
|------|----------------------|---------------|-------------|
| | घटना से पहले | घटना के दौरान | घटना के बाद |
| सूखा | | | |

| | | | |
|----------------------------|---|--------------------------------------|--|
| आहार एवं चरा उपलब्धता | भोजन एवं चारे को भण्डारित रखना, स्टाल भोजन को बढ़ावा देना | चारा बचाव, चारा बैंक की स्थापना करना | गाढ़े भोजन देना, स्वास्थ्य सुधार एवं चारे को अनुवृत्ति पर देना |
| पीने का पानी | पानी के लिए खुदे तालाबों की स्थापना करना | साफ – सुथारा पानी प्रदाय करना | पानी के कुएं की सफाई एवं कुद, तालाबों का उपयोग |
| स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन | टीको एवं दवाई को भण्डारित करना एवं पशुओं का टीकाकरण | पशुपालक को सही जानकारी देना | स्वास्थ्य सुधार हेतु संतुलित आहार एवं अतिरिक्त आपूर्ति |
| बाढ़ | | | |
| आहार एवं चरा उपलब्धता | उच्च स्तर पर चारे को भण्डारित रखना | पशुओं को खुला छोड़ना | साधारण स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण |
| पीने का पानी | साफ – सुथारा पानी प्रदाय करना | तालाब / कुंड साफ रखना | |
| स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन | संक्रामक रोगों हेतु सर्वेक्षण करना टीकाकरण हेतु कार्य योजना बनाना | रोगों से बचाव हेतु प्रचार | साधारण स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रसार |
| चक्रवात | NA | | |
| ग्रम एवं शीत लहर | | | |
| आश्रय एवं पर्यावरण प्रबंधन | पशु शेड/पक्का या कच्चा छप्पर तैयार करना | शरीर प्रतिरोधी | पशुओं को नियमित नहलाना |
| स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन | | अतिरिक्त खनिज पूरा करना | सीधे घूप से बचाव |

2.5.2 मुर्गी पालन

| | | |
|--|----------------------|--|
| | सुझाए आकास्मिक उपाएं | किसी भी चल रहे कार्यक्रम में सम्मिलित करना/जोडना यदि |
|--|----------------------|--|

| | | | | हो तो |
|----------------------------|-----------------------------------|--|---|-------|
| | घटना से पहले ^a | घटना के दौरान | घटना के बाद | |
| सूखा | | | | |
| आहार सामग्री भण्डारण करें | घर में भण्डारण | संतुलित आहार | टीकाकरण | |
| पीने का पानी | साफ पानी देना | पानी देना | पीने के पानी में एंटीबायोटिक देना | |
| स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन | सही टीकाकरण | रोग, आहार उपलब्धता | साधारण अवलोकन | |
| बाढ़ | | | | |
| आहार सामग्री भण्डारण करें | आहार को संक्रमण एवं नमी से बचाव | पक्षी एवं आहार के बाढ़ से बचाव | प्रक्षेत्र को साफ रखना | |
| पीने का पानी | | | प्रक्षेत्र को स्वास्थ्यवर्धक रखना | |
| स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन | पूर्व अपचार एवं टीकाकरण | प्रक्षेत्र एवं पक्षियों को स्वास्थ्य रखना | उपचार एवं टीकाकरण | |
| चक्रवात | NA | | | |
| ग्रम एवं शीत लहर | | | | |
| आश्रय एवं पर्यावरण प्रबंधन | मुर्गीयों को ठंड एवं गरमी से बचाए | प्राप्त पानी उपलब्धता एवं आहार स्वच्छता से दें | गरमी में ठंडा करने की व्यवस्था एवं सर्दी में सही प्रकाश | |
| स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन | | | | |

2.5.3 मछली पालन/जलीय कृषि

| | सुझाए आकास्मिक उपाएं | | |
|-------------|-----------------------|---------------|---------------|
| | घटना से पहले | घटना के दौरान | घटना के बाद |
| सूखा | | | |
| अ. बंदी | सभी मछलियों को निकाले | लाईमिंग | मछली उत्पत्ति |

| | | | |
|--|---|------|------------------------|
| अप्रयाप्त वर्षा/अन्दर बहाव के कारण पानी का उथला होना | — | वातन | वर्षा गन (ऑक्सीजन) |
| ब. मछली पालन | | | |
| अप्रयाप्त वर्षा/अन्दर बहाव के कारण पानी का उथला होना | — | वातन | वर्षा बन्दूक (ऑक्सीजन) |
| बाढ़ | — | NA | — |
| चकवात | — | NA | — |
| ग्रम एवं शीत लहर | — | NA | — |